

10/03/25

बहुलाप जरीदें वारंवारि कर्तल प्रती व प्रती  
को अवाज ठिकठिक गरी वर वर अवाज ठिकठिक  
के कर्तल मार्याल्ल लमस के अर्धिक मरी के  
अर्धिक अर्धिक प्रती अर्धिक अर्धिक अर्धिक अर्धिक  
जान के अर्धिक दिव जावे हो मिसल अर्धिक  
अर्धिक अर्धिक नब्ब के कर ल

उपस्थित जामी  
निकारी  
पतासनापक